Raj Express (Indore), 12th August 2020, Page-5

आईआईटी इंदौर ने किया कोरोना के साथ अन्य बीमारियों के प्रभाव पर शोध

गंभीर बीमारियां कोविड-19 मरीजों के लिए खतरा

- डॉ. झा और उनकी टीम ने कोविड-19 की इलाज की ओर भी किया इशारा
- कहा अन्य बीमारियों के इलाज के अनुसार ही दी जाए दवाई

इंदौर ■ राज न्यूज नेटवर्क

आईआईटी इंदौर के बायोसाइंस व बायोमेडिकल इंजीनियरिंग विभाग ने कोरोना के साथ अन्य बीमारियों के प्रभाव पर एक शोध किया है। आईआईटी के एसोसिएट प्रोफेसर और इंफेक्शन बायो-इंजीनियरिंग समूह के प्रमुख डॉ. हेमचंद्र झा ने कोरोना के साथ जुड़ी उ%च रक्तचाप हृदय, फेफड़ों, यकृत की बीमारी, स्नायुतंत्र की समस्याओं के साथ रोग प्रतिरोधक क्षमता के कम होने पर शोध किया है। कोमोर्बिडिटी असेसमेंट इज असेंशियल ड्यूरिंग कोविड-19 ट्रीटमेंट नामक रिसर्च पेपर अंतर्राष्ट्रीय जरनल फ्रंटियर्स इन फिजियोलॉजी में प्रकाशित किया गया है। शोध के अनुसार अन्य बीमारियों के मुकाबले हृदय रोग, उच्च रक्तचाप और मधुमेह जैसी बीमारियां कोविड-19 के मरीजों के लिए खतरे को बढ़ाती है।

मरीजों की गंभीर स्थिति और अस्पताल में रहने के अलग-अलग पहलु सामने आए: कोविड-19 के लक्षणों

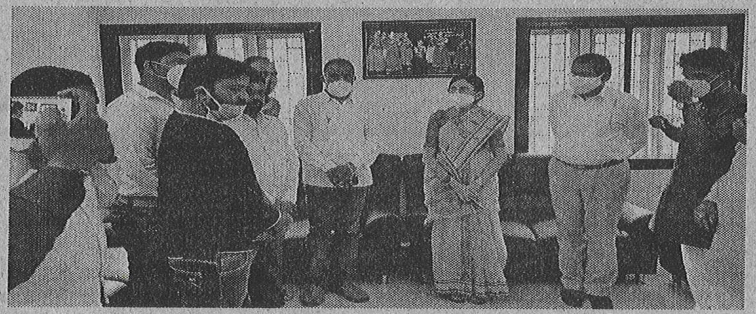

में सांस लेने में परेशानी, फेफड़ों में संक्रमण, निमोनिया और बुखार शामिल है। पूरी दुनिया के आंकड़ों के अनुसार कोविड-19 के मरीजों की गंभीर स्थिति और अस्पताल में रहने के अलग-अलग पहलु सामने आए हैं। सार्स-कोव 2 संक्रमण के कारण हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, फेफड़ों में संक्रमण जैसी एक या अधिक समस्याएं हो सकती है जो संवेदनशील और जटिलता बढ़ाने के साथ मौत का कारण भी बन सकती है। श्वेता जाखमोला, ओमकार इंदारी और बुधदेव बराल ने धर्मेंद्र कश्यप, निधि वाशने, अयान दास और सयंतनी चटर्जी के साथ मिलकर कोविड-19 के साथ जुड़ी अन्य समस्याओं का अध्ययन किया।

कोवड-19 के लिए दी जाने वाली दवाइयों से पहले मरीज की अन्य बीमारी की जांच करें

डॉ. झा के अनुसार रिसर्च पेपर बताता है कि उपर बताई गई अधिकांश समस्याएं एंडोथेलिअल लाइनिंग की खराबी से संबद्ध है। ये लाइनिंग सिंगल फ्लेट सेल की पतली पर्त होती है जो खून की भीतरी सतह और लिम्फेटिक वेसल के बीच लाइन का काम करती है। इससे ये संकेत मिलता है कि एंडोथेलियम सार्स-कोव 2 का शिकार हो सकता है। शोध ये बताता है कि हृदय, किडनी रोग, स्नायुतंत्र की समस्या और मधुमेह के साथ जुड़े मामलों में %यादा मौते हुई हैं। शोधकर्ताओ के अनुसार कोविड-19 के साथ लीवर की बीमारी वाले मामलों में सबसे कम मौते हुई है। इसके अलावा डॉ. झा औरउनकी टीम ने कोविड-19 की इलाज की ओर भी इशारा करते हुए कहा है कि अन्य बीमारियों के इलाज के अनुसार ही दवाई दी जाना चाहिए। कोवड-19 के लिए दी जाने वाली दवाइयों से पहले मरीज की अन्य बीमारी की जांच भी की जाना चाहिए।

संक्रमण के बचाव एवं रोकथाम के लिए अभियान 15 से

इंदौर (आरएनएन)। राज्य शासन द्वारा प्रदेश में अनलॉक किए जाने के बाद आम जनता ने व्यवहार परिवर्तन को देखते हुए जन जागरुकता के विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। इस सिलसिले में राज्य शासन के स्वास्थ्य विभाग द्वारा आगामी 15 अगस्त से सहयोग से सुरक्षा अभियान शुरू किया जा रहा है। इस अभियान की मुख्य थीम सहयोग और समर्थन से ही विजय-कोरोना समाप्ति का दृढ़ निश्चय है। इस अभियान के तहत कोरोना संक्रमण के साथ ही जीवन जीने की आदत के संबंध में नागरिकों को जागरुक किया जाएगा। यह अभियान विभिन्न शासकीय विभागों, स्वंयसेवी संगठनों, सामाजिक संस्थाओं, व्यापारिक संगठनों, धर्मगुरुओं, जनप्रतिनिधियों आदि के व्यापक जनभागीदारी से संचालित किया जाएगा।

यह जानकारी मंगलवार को विडियो काफ्रेंसिंग के माध्यम से संपन्न हुई राज्य स्तरीय बैठक में दी गई। बैठक में प्रमुख सचिव स्वास्थ्य फैज अहमद किदवई ने भोपाल से शामिल होकर अभियान के बारे में विस्तार से दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह अभियान समय की बड़ी जरुरत है। अभियान को प्रभावी रुप से क्रियान्वित करना होगा। जन जागरुकता के माध्यम से आम नागरिकों में सुरक्षा के भाव लाने की जरुरत है। बैठक में बताया गया कि अभियान के तहत लोगों के बीच जागरुकता लाई जाएगी जिससे की वे कोरोना संक्रमण के साथ ही जीवन जीने की आदत डालें अथवा सुरक्षित व्यवहारों को अपनाएं। समुदायों को प्रोत्साहित किया जाएगा की वे बचाव के उपायों को जीवन शैली का अंग बनाते हुए बचावे के व्यवहारों की निरंतरता बनाए रखे।

अभियान के तहत सरल, स्पष्ट और सुग्राही संदेशों के माध्यम से लोगों की आदतों में बदलाव के प्रयास किए जाएंगे। गलत और भ्रामक जानकारियों का खंडन विभिन्न माध्यमों से लगातार किया जाएगा जिससे की लोगों को सही जानकारी मिल सकें। अभियान के तहत समाज के विभिन्न वर्गों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। अभियान के तहत आयोजित की जाने वाली गतिविधियों के लिए समयबद्ध कार्यक्रम तय किया गया है। अभियान के दौरान व्यापक स्तर पर शपथ के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अभियान से जुड़े विभागों में नोडल अधिकारी भी नियुक्त किए जा रहे है।